रजिस्ट्री सं. डीएल(एन)-04/0007/2003--05 REGISTERED No. DL(N)-04/0007/2003—05

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 44] नई दिल्ली, शनिवार, अक्तूबर 29—नवम्बर 4, 2016 (कार्तिक 7, 1938)

No. 44] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 29—NOVEMBER 4, 2016 (KARTIKA 7, 1938)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ सं.
भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.	813
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	951
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	7
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	2403
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.	*
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.	*
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं.	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं).	*
भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश.	*
भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.	1455
भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेन्टों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस	*
भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.	*
भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं.	555
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस.	2055
भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूरक.	*

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	813
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	951
PART I—SECTION 3—Notifications relating to resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	7
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	2403
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	1455
PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	555
PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	2055
PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I — खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अगस्त 2016

संख्या 105-प्रेज/2016—राष्ट्रपति नीचे उल्लिखित व्यक्ति को अत्यंत शूरवीरता पूर्ण कार्यों के लिए "अशोक चक्र" के पुरस्कार का अनुमोदन करते हैं:-

13622536एन हवलदार हंगपन दादा, असम रेजिमेंट / 35वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 26 मई, 2016)

26 मई 2016 को जब आतंकवादियों ने जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के नौगाम सेक्टर में सेना के ठिकानों से संपर्क तोड़ दिया तब हवलदार हंगपन दादा को अपने दल के साथ भाग रहे आतंकवादियों का पीछा करने और उन्हें पकड़ने का दायित्व सौंपा गया। अपने विवेक और समझ से पूर्व कमांडो दुर्गम बर्फीले ऊंचाई वाले क्षेत्र में इतनी तीव्र गति से आगे बढ़े कि आतंकवादियों का बच निकलने का रास्ता बंद हो गया और वे इस कार्रवाई से अचंभित रह गए।

इसके बाद शुरू हुई गोलीबारी में जब उनके दल को भारी और अचूक गोलीबारी से आगे बढ़ने से रोक दिया गया, तब अपनी सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह किए बगैर वे एक ओर सरककर पत्थरों और बोल्डरों के पीछे छिपे आतंकवादियों के बहुत नजदीक पहुंच गए जिसके कारण उनके साथियों की जान बच गई। उन्होंने अनुकरणीय साहस और अपनी सूझ-बूझ का इस्तेमाल करते हुए दो आतंकवादियों को नजदीक से मार गिराया। इस गोलीबारी में वह गंभीर रूप से घायल हो गए लेकिन अपने जख़्मों की परवाह किए बिना एनसीओ ने बचे हुए आतंकवादियों का पीछा किया। इस कार्रवाई में उनका सामना तीसरे आतंकवादी से हुआ और सर्वोच्च बलिदान करने से पहले उसे हाथापाई में मार गिराया। इस प्रकार हवलदार हंगपन दादा ने ऑपरेशन के दौरान तीन आतंकवादियों को अकेले ही मार गिराया और उनके इस कार्रवाई से चौथे आतंकवादी का भी सफ़ाया हो सका।

हवलदार हंगपन दादा ने कर्तव्य से आगे बढ़कर अत्यंत शूरवीरता, निःस्वार्थ समर्पण का प्रदर्शन किया और आतंकवादियों से लड़ते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया।

अ. राय
विशेष कार्य अधिकारी

संख्या 106-प्रेज/2016—राष्ट्रपति असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों को "शौर्य चक्र" पुरस्कार प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं:-

1. श्री अटु जुम्वू, सब-डिविजनल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ), कोहिमा, नागालैंड.

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 4 जनवरी, 2015)

एक ऐसा स्रोत जो एक माह से अधिक समय से निगरानी कर रहा था, से सूचना प्राप्त होने पर कोहिमा में तैनात श्री अटु जुम्वू, सब-डिविजनल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) ने अन्य साथियों के साथ मिल कर कार्रवाई करते हुए 14.1.2015 को एक तलाशी एवं विशेष संक्रिया का आयोजन किया तथा कोहिमा, नागालैंड के बाहरी क्षेत्र में स्थित संदिग्ध एन.डी.एफ.बी. (राष्ट्रीय जनतांत्रिक बोडोलैंड मोर्चा) (संगबिजीत) संघ के छुपने के ठिकाने का पता लगाया। एक सघन तलाशी प्रारंभ की गई। दिनांक 14.1.2015 को अपनी जान को जोखिम में डालते हुए आपने कोहिमा के बाहरी क्षेत्र में स्थित ठिकाने से तीन उच्च रैंक के ऐसे दुर्दांत एनडीएफबी (एस) आतंकियों को गिरफ्तार किया जो 23 दिसम्बर, 2014 को असम में 81 निर्दोष लोगों के नरसंहार के लिए जिम्मेदार थे और एन.आई.ए. द्वारा वांछित थे। इन तीन दुर्दांत एनडीएफबी (एस) आतंकियों की समय से गिरफ्तारी हो जाने के कारण इनका म्यांमार से बच निकलने और पूर्वोत्तर में, विशेषतः असम राज्य में, कानून और व्यवस्था संबंधी परिस्थितियां खराब होने से रोका जा सका। प्रारंभिक जांच के दौरान यह ज्ञात हुआ कि ये तीनों असम पुलिस की गिरफ्तारी से बचते हुए दिमापुर के रास्ते राज्य की राजधानी तक बच निकलने में सफल हुए थे।

यदि वे गिरफ्तार न हुए होते तो उनके म्यांमार से बच निकलने और पूर्वोत्तर में, विशेषतः असम राज्य के लिए कानून और व्यवस्था के लिए एक बड़ा खतरा बनने की बहुत संभावना हो गई होती।

पुनः 23 जनवरी, 2015 को एक अन्य घटना में मणिपुर राज्य में, एनएच-29 पर फिरौती के लिए छह ट्रक चालकों के अपहरण के लिए उत्तरदायी दो एन.एस.सी.एन (के) के दुर्दांत काडरों को श्री जुम्वू द्वारा साहसिक रूप से अपनी जान पर खेलते हुए गिरफ्तार किया गया। तत्काल उनके विरुद्ध राष्ट्रीय

सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया । 23 जनवरी, 2015 को श्री अटु जुम्वू ने एक संयुक्त दल का नेतृत्व करते हुए एन एच-29 के निकट स्थित उक्त क्षेत्र के मध्य निगरानी रखी और रात लगभग 9:45 बजे, उन्होंने एक सफेद रंग की मारूती जिप्सी को संदेहास्पद रूप से कोहिमा की तरफ जाते हुए पाया । उक्त वाहन, जिसमें तीन लोग सवार थे, रजिस्ट्रेशन नं. एनएल-07ए/5389 धारक एक ट्रक को ओवरटेक किया और उसे रोक लिया। श्री जुम्वू की टीम तत्काल उस स्थान पर पहुंची । पुलिस को देखते ही बदमाशों ने भाग निकलने का प्रयास किया । चूंकि यह कार्रवाई अकस्मात हुई इसलिए इसमें संलिप्त 2(दो) व्यक्तियों को घटना स्थल पर ही रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया । प्रारंभिक जांच के दौरान, गिरफ्तार किए गए दोनों व्यक्तियों की जॉन सेमा, एसएस सैकेण्ड लेफ्टिनेंट एवं हाबवांग कोन्थाक, एस एस कार्पोरल, एनएससीएन (राष्ट्रीय सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड) (के) के रूप में शिनाख्त की गई । इस समूह के सदस्यों की गिरफ्तारी से एनएच-29 के निकटस्थ क्षेत्र में आने-जाने वालों, विशेषतः देर रात आवश्यक वस्तुएं लाने-ले जाने वाले मणिपुर के ट्रकों के लिए स्थिति सामान्य हो गई और उस क्षेत्र को असामाजिक तत्वों से मुक्त किया गया ।

श्री जुम्वू ने इस प्रकार अपने कर्तव्य के लिए अनुकरणीय साहस तथा प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया और अपनी जान की परवाह किए बिना बदमाशों को गिरफ्तार किया ।

2. 5756771एच नायक बिर सिंह, 21वीं बटालियन, दि पैराशूट रेजीमेंट (विशेष बल)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 28 अगस्त 2015)

नागालैंड के दन पंगशा इलाके में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केंद्र में 28 अगस्त 2015 को संक्रिया पंगशा शुरू किया गया जिसमें दस्ते के कमांडर नायक बिर सिंह को एन एस सी एन (के) के विद्रोहियों के वाहनों को घात लगाने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

जब नायक बिर सिंह व उनके साथी वाहनों को अंतर्रोध करने के लिए पहुंचे तो उग्रवादी उनकी त्वरित कार्रवाई से अचंभित रह गए और उन पर अंधाधुंध गोलियां बरसाने लगे। बिजली की गति से पलटवार करते हुए उन्होंने तुरंत अपना हथियार निकालकर उग्रवादियों को उलझाए रखा और एक उग्रवादी को मौत के घाट उतार दिया तथा दो अन्य को घायल कर दिया। इस गोलाबारी में उन्हें कई गोलियां लगीं तथा इनमें से एक गोली उनकी जांघ की हड्डी में लगी और वे बुरी तरह घायल हो गए, परंतु घायल होने के बावजूद नायक बिर सिंह विद्रोहियों की भीषण गोलीबारी के बीच झाड़ियों के साथ रेंगते हुए आगे बढ़े और वाहन के पीछे से दस्ते पर गोलियां चला रहे एक अन्य उग्रवादी पर अचूक निशाना लगाकर उसे भी निष्प्राण कर दिया । बुरी तरह बह रहे रक्त और गंभीर जख़्मों के दर्द की परवाह न करते हुए नायक बिर सिंह ने आतंकवादियों की गोलीबारी का लगातार माक़ूल जवाब देते हुए अपने दस्ते पर नियंत्रण रखने और उसे सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने में असाधारण प्रतिबद्धता का परिचय दिया। इस प्रकार उन्होंने भारतीय सेना की गौरवपूर्ण परंपरा को कायम रखते हुए मित्र भाव तथा कोर भावना के सर्वोच्च मानकों का प्रदर्शन किया।

नायक बिर सिंह ने भीषण गोलीबारी में भी अपने कर्तव्य से आगे बढ़कर असाधारण शौर्य, पक्के नेतृत्व तथा साहसपूर्ण वीरता प्रदर्शित की ।

3. आईसी-75501एफ कैप्टन गौरव शरद जादव, तोपखाना रेजीमेंट / 36वीं बटालियन, दि राष्ट्रीय राइफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 17 सितम्बर, 2015)

कैप्टन गौरव शरद जादव ने 36वीं राष्ट्रीय राइफल्स (गढ़वाल राइफल्स) के हाई रिस्क मिशन प्लाटून के कमांडर के रूप में 17 सितंबर 2015 को 2100 बजे जम्मू कश्मीर के बांदीपुर जिले के शत्रु चौकी एल सी हट के पास संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने पर घुसपैठ के संभावित रास्ते को भांपते हुए सर्वाधिक जोखिमभरे और दुर्गम क्षेत्र में 10 अन्य रैंक के कार्मिकों के साथ घात लगायी।

2345 बजे अपनी तरफ आते आतंकवादियों को देखकर अपने विवेक का परिचय देते हुए कैप्टन गौरव शरद जादव ने सही समय पर पुनः घेराबंदी शुरू की जिसके चलते दोनों तरफ से 15-20 मिनटों तक भीषण गोलीबारी होती रही। उनको ऐसा अंदेशा हुआ कि आतंकवादी नियंत्रण रेखा से अंदर आ सकते हैं, ऐसे में अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए अदम्य साहस के साथ गोलीबारी के बीच वे कूद पड़े और एक आतंकवादी को मार गिराया।

इसी बीच दूसरे आतंकवादी ने कैप्टन गौरव शरद जादव पर एक ग्रेनेड फेंका। अपनी अतुलनीय सैन्य सूझबूझ दिखाते हुए कैप्टन गौरव शरद जादव आगे बढ़े और एक आतंकवादी को ग्रेनेड फेंककर रोके रखा तथा उसे छिपने पर मजबूर कर दिया। पक्के इरादे के साथ इस अवसर का फायदा उठाते हुए वे अपने छिपने के स्थान से बाहर आए और दूसरे आतंकवादी के सिर में गोली मार दी।

कैप्टन गौरव शरद जादव ने इस संक्रिया के दौरान बिना किसी हताहत के अपनी क्षमता से नेतृत्व करने और यह जानते हुए कि अब मृत्यु निश्चित है, की परवाह न करते हुए अपने साहसपूर्ण कृत्य का प्रदर्शन किया ।

4. आईसी-62820पी मेजर राहुल देव सिंह, दि जम्मू एवं कश्मीर राइफल्स / तीसरी बटालियन, दि राष्ट्रीय राइफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 4 अक्तूबर, 2015)

04 अक्तूबर 2015 को जम्मू एवं कश्मीर के पुलवामा जिले के हरीगांव में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर मेजर राहुल देव सिंह ने अपने दल के साथ उस क्षेत्र की घेराबंदी शुरू कर दी। जब तलाशी दल अपने लक्षित घर की ओर बढ़ रहा था तभी दो आतंकवादी घर से बाहर आए और तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलियां बरसाने लगे जिससे उनका साथी घायल हो गया । मेजर राहुल देव सिंह ने तुरंत जवाबी कार्रवाई से आतंकवादियों को रोका और उनमें से एक को घायल कर दिया । मेजर राहुल देव सिंह ने भीषण गोलीबारी के बीच से अपने साथी को निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। ऐसा करते हुए उन्होंने आतंकवादियों का भी मुकाबला किया और एक आतंकवादी को मार गिराया।

बाद में 23 नवंबर 2015 को जम्मू एवं कश्मीर के अनंतनाग जिले के सिलीगाम गांव में एक अन्य संक्रिया में जब उनके नेतृत्व में तलाशी दल पर आतंकवादियों द्वारा गोलीबारी की गई तो मेजर राहुल देव सिंह ने हालात को भांपते हुए भाग रहे आतंकवादी को रोकने के लिए अपने दल को फिर से एकजुट किया। जब मेजर राहुल देव सिंह अपने साथियों के साथ उस स्थान की ओर बढ़ रहे थे तभी उन पर आतंकवादियों द्वारा भारी गोलीबारी शुरू कर दी गई । गोलीबारी की परवाह न करते हुए अपने साथियों की कवर फायरिंग की मदद से और अपनी सुरक्षा की बिल्कुल परवाह न करते हुए मेजर राहुल देव सिंह ने असाधारण वीरता और अदभुत साहस का परिचय दिया और नजदीक पहुंच कर एक आतंकवादी को अकेले ही मार डाला।

मेजर राहुल देव सिंह ने दोनों संक्रियाओं के दौरान अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए अदम्य साहस, असाधारण नेतृत्व, सामरिक सूझबूझ का परिचय दिया जिसके कारण तीन खूंखार आतंकवादियों का सफाया हो सका।

5. जेसी-311084एक्स नायब सूबेदार कंकरा वी सुब्बारेड्डी, इंजीनियर कोर / 44वीं बटालियन, दि राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 26 अक्तूबर, 2015)

26 अक्तूबर 2015 को 1620 बजे नायब सूबेदार कंकरा वी सुब्बारेड्डी को मेजर आशुतोष कुमार पांडेय से जम्मू कश्मीर के पुलवामा जिले के द्रबगाम गांव में दो आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचना मिली। नायब सूबेदार कंकरा ने अपने दल के साथ चुपके से संदिग्ध क्षेत्र की सफलतापूर्वक घेराबंदी की।

1720 बजे नायब सूबेदार कंकरा ने लक्षित घर के पास दो संदिग्ध व्यक्तियों को देखा। जे सी ओ सुब्बारेड्डी अपने साथी सिपाही ब्रजेश खटाना के साथ रणकौशल के सर्वोच्च मानक का इस्तेमाल करते हुए निडर होकर संदिग्धों के नजदीक पहुंचे और उन्हें ललकारा। चुनौती मिलने पर संदिग्ध व्यक्तियों ने स्वचालित हथियारों से उन पर भारी गोलाबारी शुरू कर दी और नायब सूबेदार कंकरा को घायल कर दिया। बुरी तरह से लहूलुहान होने के बाद भी अपने कर्तव्य से आगे बढ़कर और बेहोश होने से पहले जे सी ओ सुब्बारेड्डी ने जवाबी हमला कर एक आतंकवादी को तत्क्षण मार डाला और दूसरे को घायल कर दिया। बाद में जेसीओ सुब्बारेड्डी को वहां से हटाकर 92 बेस अस्पताल में भर्ती किया गया जहां गहरे जख़्मों के कारण वे शहीद हो गए । वे भारतीय सेना की परंपरा के अनुरूप बहादुरी से लड़े।

नायब सूबेदार कंकरा वी सुब्बारेड्डी ने मिशन अभिमुखी की गहन भावना के साथ गोलीबारी के बीच सामरिक सूझबूझ, अदम्य साहस तथा राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान देते हुए दो खूंखार आतंकवादियों का सफलतापूर्वक सफाया कर दिखाया ।

6. 14939722पी सिपाही हरि छेत्री, दि मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री / 9वीं बटालियन, दि राष्ट्रीय राइफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 29 अक्तूबर, 2015)

सिपाही हरि छेत्री जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले के खांदीपुरा गांव में चलाये गए संक्रिया दल के एक सदस्य थे जिसमें संक्रिया दल ने प्राप्त ठोस आसूचना के आधार पर लश्कर-ए-तय्यबा के मुखिया अबु कासिम, जो सुरक्षा बलों पर हुए अनगिनत आतंकवादी हमलों की योजना बनाने और उसे कार्यान्वित करने वाले सबसे पुराने जीवित आतंकवादियों में से एक था, को पकड़ने के लिए अभियान चलाया।

सिपाही हरि को घेराबंदी में एक अवरोधक के रूप में तैनात किया गया था और 29 अक्तूबर 2015 को लगभग 0215 बजे एक संदिग्ध व्यक्ति को उन्होंने अपनी ओर आते हुए देखा। इससे पहले कि वे कुछ समझ पाते, आतंकवादी ने बच निकलने के प्रयास में उन पर एक ग्रेनेड फेंका और अंधाधुंध गोलियां चलानी शुरू कर दी। ग्रेनेड के फटने से बिना घबराए वे संयमित और मानसिक रूप से सजग रहे और जवाबी गोलाबारी कर आतंकवादी को घायल कर दिया। घायल आतंकवादी आगे बढ़ता रहा और सिपाही हरि छेत्री पर गोलियां बरसाता रहा। सिपाही हरि छेत्री कर्तव्य से आगे बढ़कर अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए मैदान में डटे रहे और आतंकवादी पर अचूक निशाना लगाते हुए गोलियां चलाते रहे और अंततः उन्होंने उसे मात्र तीन फीट के फासले से मार गिराया ।

सिपाही हरि छेत्री ने कर्तव्य से आगे बढ़कर असाधारण शौर्य, तात्कालिक विवेक, दृढ़ निश्चय और दृढ़ता का प्रदर्शन किया जिसके परिणामस्वरूप एक आतंकवादी का सफाया हुआ ।

7. आईसी-76699एक्स कैप्टन इलिशेन वाई जामि, 12वीं बटालियन पैराशूट रेजीमेंट (विशेष बल)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 02 नवम्बर, 2015)

कैप्टन इलिशेन वाई जामि ने 31 अक्तूबर 2015 को नागालैंड के जूनबोटो जिले के अघुनातो गांव के पास जंगलों में एक विशेष संक्रिया प्रारंभ की । घने जंगलों और खतरनाक पर्वतों से गुजर कर उनका दल 02 नवंबर 2015 को प्रातः 0400 बजे ऑपरेशन क्षेत्र में पहुंचा।

प्रातः 0530 बजे संक्रिया दल ने सड़क पर आ रही एक संदिग्ध टाटा सुमो को देखा और उसे चुनौती दी। इस चुनौती पर उस वाहन से अंधाधुंध गोलियां बरसने लगीं। अपने दल को खतरे में पाकर और गाड़ी में एक अपहृत सिविलियन की मौजूदगी को भांपते हुए कैप्टन जामि अपनी सुरक्षा से बेपरवाह होकर गोलीबारी के बीच चले गए और एक आतंकवादी को उलझाकर उसे मार डाला। उनके इस दुस्साहसिक कार्रवाई से अचंभित शेष आतंकवादी अंधाधुंध गोलियां चलाते हुए नजदीक के जंगल की ओर भागने लगे। उस गोलीबारी के बीच होते हुए भी, अत्यंत संयम और सामरिक कौशल दिखाते हुए कैप्टन जामि ने अपहृत सिविलियन को बचा लिया और उसके बाद भाग रहे आतंकवादियों का अपने जे सी ओ के साथ पीछा किया और उनके नजदीक पहुंच कर मोर्चा संभालते हुए दूसरे आतंकवादी को भी मार गिराया।

कैप्टन इलिशेन वाई जामि ने गोलीबारी के बीच होते हुए भी अत्यंत संयम के साथ वीरतापूर्ण कार्य का परिचय दिया जिससे अपहृत सिविलियन को बचाया जा सका ।

8. 924787 कार्पोरल गुरूसेवक सिंह भारतीय वायु सेना (सुरक्षा) (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 02 जनवरी 2016)

कार्पोरल गुरूसेवक सिंह, भारतीय वायु सेना (सुरक्षा) को 30 सितंबर 2013 से भारतीय वायु सेना की गरूड़ स्पेशल फोर्स यूनिट में विशेष फोर्सेज कर्मी के रूप में तैनात किया गया था ।

इन्हें 01 जनवरी, 2016 की शाम को वायु सेना स्टेशन पठानकोट में विशेष आपरेशन के लिए गरूड़ टीम में शामिल किया गया था । विशेष आपरेशन के दौरान, कार्पोरल गुरूसेवक सिंह, वायु सेना स्टेशन पठानकोट के भीतर सर्च आपरेशन के लिए तैनात की गई हमलावर टीम के ट्रैक कमांडर थे ।

इन्होंने 02 जनवरी 2016 को 0310 बजे, सर्च आपरेशन के दौरान आतंकवादियों के एक समूह को देखा और अपने पूरे हमलावर दस्ते को चौकन्ना करने के बाद आतंकवादियों को रोकने के लिए तेजी से आगे बढ़े। इसी दौरान इनकी टीम पर चार आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी जिसमें इनकी टीम का एक सदस्य बुरी तरह घायल हो गया । कार्पोरल गुरूसेवक सिंह ने अपने साथी अफसरों के साथ आतंकवादियों को भीषण गोलीबारी में उलझाए रखा । इस हमले में इन्हें तीन गोलियां लगीं जिससे ये गंभीर रूप से घायल हो गये । इन्होंने घायल होने के बावजूद वहां से हटने से मना कर दिया और उन चारों आतंकवादियों को उलझाये रखने के लिए अपने साथी अफसरों के साथ बहुत नजदीक से अपनी अंतिम सांस तक गोलाबारी करते रहे । इन्होंने अपनी जान की

परवाह न करते हुए जवाबी हमला जारी रखा जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादी 25 मिनटों से भी अधिक समय तक उसी स्थान पर उलझे रहे और तब तक हमारी सैन्य टुकड़ियां वहां पहुंच गई। इनके प्रयासों के कारण ही आतंकवादी वायु सेना स्टेशन के तकनीकी क्षेत्र में नहीं घुस पाये, जिसके परिणामरूवरूप सभी वायुयानों और अन्य सामरिक हथियारों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई।

कार्पोरल गुरूसेवक सिंह ने अत्यंत विषम परिस्थितियों में वृत्तिदक्षता, अनुकरणीय अदम्य साहस और टीम भावना का परिचय देकर शत्रु का मुकाबला करते हुए देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

9. आई सी–66162एल लेफ्टिनेंट कर्नल निरंजन ई के/ इंजीनियर कोर/राष्ट्रीय सुरक्षा गारद (बी डी यू) (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 03 जनवरी 2016)

03 जनवरी 2016 को वायुसेना स्टेशन पठानकोट, पंजाब में राष्ट्रीय सुरक्षा गारद के आतंकवादी-रोधी टास्क फोर्स के बम निरोधक दस्ते को खोजी ऑपरेशन के अंग के रूप में जिंदा ग्रेनेडों, गोला-बारूद और आतंकवादियों के मृत शरीरों को हटाने तथा बरामद करने का काम सौंपा गया था। घने जंगल वाले ऑपरेशन क्षेत्र में विस्फोट रहित ग्रेनेडों और विस्फोटक डिवाइसों की भरमार थी जिसके कारण आतंकवादियों के मृत शरीरों तक पहुंचना अत्यधिक जोखिम भरा काम था। लेफ्टिनेंट कर्नल निरंजन ई के ने आईईडी और आतंकवादियों के मृत शरीरों को कब्जे में लेने के इस अत्यधिक जोखिम भरे काम के लिए अपने दल का नेतृत्व करने का फैसला किया। अफसर ने बखूबी दो आतंकवादियों के मृत शरीरों को कब्जे में लिया और उनमें बंधे आईईडी को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर दिया। अपने दस्ते की सुरक्षा का ख़्याल रखते हुए और अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए अफसर तीसरे आतंकवादी के शरीर को कब्जे में ले ही रहे थे तभी उसके छिपा हुआ शरीर में बंधा एक ग्रेनेड फट गया जिससे उनके शरीर में कई जगह गहरे जख़्म हो गए।

लेफ्टिनेंट कर्नल निरंजन ई के ने ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए संक्रियाशील सैनिकों के लिए सुरक्षित रास्ता सुनिश्चित करते हुए इस वीरतापूर्ण कारनामे, मिशन के प्रति अतुलनीय समर्पण, शत्रुओं के सामने सर्वोच्च कोटि के अदम्य साहस, असाधारण नेतृत्व का प्रदर्शन किया जिससे दो आतंकवादियों को निष्क्रिय किया जा सका और इस कार्रवाई में सर्वोच्च बलिदान दिया।

10. श्री कुकूडापु श्रीनिवासुलु, पुलिस कांस्टेबल (9365), सी आई सैल, तेलंगाना

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 23 जनवरी 2016)

श्री के. श्रीनिवासुलु, पुलिस कांस्टेबल, को कर्नाटक राज्य में कुछ संदिग्ध आतंकियों को पता लगाने के लिए एन आई ए की सहायता के लिए बेंगलुरू शहर में तैनात किया गया था। उन्होंने तेलंगाना राज्य की सी आई सैल के सहकर्मियों के साथ संदिग्धों पर निगरानी रखी। निगरानी के दौरान दिनांक 23.01.2016 को उन्होंने बेंगलुरू में डोडला नागा मगाला रोड पर एक महिला पिलियन सवार के साथ हीरो स्पलेंडर पर आलम जेब अफरीदी नामक संदिग्ध आतंकी को देखा। आलम जेब अफरीदी एक सिमी कार्यकर्ता था जो इंडियन मुजाहिद्दीन तथा इस्लामिक स्टेट प्रचालक बन गया था। वह अहमदाबाद में 12 सीरियल बम विस्फोट के मामलों (2008); चर्च स्ट्रीट विस्फोट एवं इजराइल वीजा प्रोसेसिंग केंद्र (बेंगलुरू) को जलाने; इस्लामिक राज्य षडयंत्र मामले (आर सी नं. 14/2015/एन आई ए/डी एल आई पी एस) आदि में शामिल था। वह हैदराबाद में आई एस माड्यूल के लिए आई ई डीज बनाने एवं उपयोग करने में प्रशिक्षण प्रदान करने का एक जरिया था।

श्री के. श्रीनिवासुलु ने उसे धर-पकड़ने के लिए तत्काल मोटर बाइक से संदिग्ध का पीछा किया। संदेह होने पर संदिग्ध आतंकी ने अपनी बाइक को घुमाकर श्री श्रीनिवासुलु की बाइक पर टक्कर मार दी। ज्योंही श्री श्रीनिवासुलु नीचे गिरे, त्योंही संदिग्ध उन पर झपट पड़ा और अपने खंजर से बुरी तरह आक्रमण करते हुए उसने पेट में भोंककर घायल कर दिया और फरार होने का प्रयास किया। घायल होने के बाद भी श्री श्रीनिवासुलु ने हार नहीं मानी और संदिग्ध को कस कर पकड़े रखा और भागने नहीं दिया। श्री श्रीनिवासुलु द्वारा बारंबार किए गए अनुरोध को निजी सुरक्षाकर्मी और आस पास खड़े उन लोगों द्वारा अनदेखा कर दिया गया जो इस घटना के मूक दर्शक बने हुए थे। अपने जख्मों के बावजूद उन्होंने दुर्दांत आतंकी पर काबू पाया और उसे गिरफ्तार किया। इस गिरफ्तारी के फलस्वरूप आई एस से जुड़े जुनूद-उल-खलीफा फिल हिंद माड्यूल का ध्वंस, देश भर में इसके 22 कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी और साथ ही पाइप बम एवं विस्फोटक सामग्री आदि की बरामदगी संभव हो सकी।

श्री के. श्रीनिवासुलु, पुलिस कांस्टेबल ने अपनी जान को जोखिम में डालते हुए आलम जेब अफरीदी की गिरफ्तारी में बहादुरी पूर्ण कार्य, अनुकरणीय साहस, अदम्य शौर्य एवं धैर्य का प्रदर्शन किया।

11. 2799285डब्ल्यू नायक शिंदे शंकर चंद्रभान, मराठा लाइट इन्फैंट्री / 41वीं बटालियन, दि राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 12 फरवरी 2016)

विशेष सूचना मिलने पर 12 फरवरी 2016 को 1300 बजे जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के मरसारी गांव में मेजर हरविंदर सिंह की अगुवाई में एक खोजी व ध्वंस ऑपरेशन शुरू किया गया।

नायक शिंदे शंकर चंद्रभान, गनर सहदेव मारूति मोरे के साथ स्काउट थे। 1415 बजे जैसे ही टीम संदिग्ध मकान के पास पहुंची तभी अचानक उस मकान में छिपे आतंकवादियों ने प्रचण्ड और प्रभावी, स्वचालित भारी गोलीबारी शुरू कर दी। गोलीबारी में गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद नायक शिंदे ने बहादुरी के साथ जवाबी हमले में आतंकवादियों को आगे बढ़ने से रोके रखा और इस तरह अपने साथी गनर मोरे को रेंगते हुए दरवाजे तक पहुंचाने में मदद की। अडिग और अपने जख़्मों की परवाह न करते हुए नायक शिंदे ने गनर मोरे को मकान में प्रवेश करवाने में असाधारण धैर्य का परिचय दिया। गनर मोरे को गोली लगते देख नायक शिंदे स्वयं निस्वार्थ रूप से आतंकवादियों पर टूट पड़े और एक आतंकवादी को बहुत ही नजदीक से मार गिराया। वहां और अधिक आतंकवादियों के मौजूद होने तथा अपनी टीम के सदस्यों की जान को खतरे में पड़ते देख नायक शिंदे ने आतंकवादियों पर युक्तिपूर्वक पीछे से हमला कर दिया और मौके का फायदा उठाते हुए उन्हें उलझा दिया तथा दूसरे आतंकवादी को भी मार गिराया। एन सी ओ प्रभावी रूप से लगातार गोलीबारी करते रहे और आतंकवादियों को रोके रखा जिसमें उन्हें कई गोलियां लगीं और वे बुरी तरह घायल होकर वीरगति को प्राप्त हुए।

नायक शिंदे ने असाधारण साहस, गंभीर व्यक्तिगत खतरे का सामना करने में साहसिकता और अदम्य युद्धक भावना का परिचय दिया जिससे पांच खूंखार सुप्रशिक्षित विदेशी आतंकवादी मारे गए और बड़े पैमाने पर युद्ध जैसे भण्डारों का विशाल जखीरा बरामद हुआ। नायक शिंदे शंकर चंद्रभान ने धैर्यपूर्ण कार्य और निस्वार्थ बहादुरी का प्रदर्शन किया जिसमें उन्होंने व्यक्तिगत रूप से दो खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया और सर्वोच्च बलिदान करने से पूर्व अपने टीम के सदस्यों की सुरक्षा सुनिश्चित की ।

12. आई सी-78545के कैप्टन पवन कुमार, 10वीं बटालियन पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल) (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 20 फरवरी 2016)

कैप्टन पवन कुमार को विशेष बल के एक सर्वोत्कृष्ट साहसिक अधिकारी के रूप में जाना जाता है। 15 अक्तूबर से 16 अक्तूबर तक, उन्होंने अपने सैन्यदल के साथ चार सफल ऑपरेशनों का नेतृत्व किया जिसके परिणामस्वरूप छह आतंकवादी मारे गए । पिछले ऑपरेशन में घायल होने पर चिकित्सा परामर्श के बावजूद उन्होंने लगातार आतंकवादी ऑपरेशनों में जवाबी हमले के लिए अपने साथियों का नेतृत्व जारी रखा ।

अभी पिछले जख़्मों से पूरी तरह ठीक भी नहीं हो पाए थे कि 20 फरवरी 2016 को कैप्टन पवन कुमार ने जम्मू कश्मीर के पुलवामा जिले के पम्पोर ऑपरेशन के दौरान अपने सैन्य दल का नेतृत्व किया । अफसर ने गंभीर जोखिम उठाते हुए लक्षित भवन का गुप्त सर्वेक्षण किया और भवन में दखल देने का ऑपरेशन - पार्श्विक, नुकसान न होने का एक अत्यंत जोखिम भरा विकल्प, संचालित करने का निर्णय लिया । आगे बढ़कर नेतृत्व करते हुए वे सबसे ऊपरी तल पर पहुंचे और उस कमरे के दरवाजे और खिड़की में गोलियां चलानी शुरु कर दी जिसमें आतंकवादी छिपे हुए थे। जैसे ही उन्होंने ग्रेनेड दागने के लिए दरवाजे पर पैर मारा, अंदर छिपे हुए आतंकवादी ने उन पर नजदीक से गोली चला दी । अपने गंभीर जख़्मों से बेपरवाह होकर और स्वयं को सुरक्षित स्थान पर जाने से इनकार करते हुए वे आतंकवादी पर गोलियां बरसाते रहे और उसे मार डाला । उनके इस वीरतापूर्ण कार्रवाई से उनके कामरेडों की जान बच गई और इस तरह शेष आतंकवादियों का सफाया करने का रास्ता साफ हो गया ।

लगातार चार ऑपरेशनों में अतुलनीय साहस और अदम्य उत्साह का प्रदर्शन करते हुए कैप्टन पवन कुमार ने राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया ।

13. आईसी-72326एम कैप्टन तुषार महाजन, 9वीं बटालियन, दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल) (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 20 फरवरी 2016)

कैप्टन तुषार महाजन जम्मू कश्मीर के पुलवामा जिले में 20 से 22 फरवरी तक चले पंपोर भवन हस्तक्षेप ऑपरेशन के रणनीतिकार थे जहां पर उन्होंने ऑपरेशन की योजना तैयार की, गोली चलाने के स्थलों का निर्धारण किया और भवन को खाली कराने के लिए ऑपरेशन का नेतृत्व किया ।

जब ऑपरेशन चल रहा था, कैप्टन तुषार ने इस ऑपरेशन में गंभीर रूप से जख़्मी लांस नायक ओम प्रकाश को गोलीबारी से बचाने के लिए खुद को जोख़िम में डाल दिया । तीसरे तल पर पहुंचते समय उनके दल पर आतंकवादियों ने एक कमरे से हमला कर दिया । इसकी परवाह न करते हुए कैप्टन तुषार महाजन ने ग्रेनेड से हमला किया और कमरे को खाली करा दिया जिसमें गोलीबारी से आग लग गई थी। भवन के गलियारे से निकलते समय आगे के कमरे से हो रही भीषण गोलीबारी के कारण उन्हें रुकना पड़ा । अपने दल के लोगों को डरा हुआ देखकर कैप्टन तुषार साथ साथ गोलियां चलाते और ग्रेनेड फेंकते हुए आगे बढ़े । इसी दौरान आतंकवादियों की गोलियां कैप्टन तुषार के पैरों में लगी जिससे वे बीच में लड़खड़ा गए । बुरी तरह से लहूलुहान कैप्टन तुषार महाजन ने उस असहनीय दर्द को बर्दाश्त करते हुए जवाबी गोलीबारी से आतंकवादी को घायल कर दिया। भवन खाली कराने के दौरान उनके हाथ में पुनः गोली लगने से वे बुरी तरह जख़्मी हो गए तथा अपनी अतुलनीय शक्ति, आक्रामकता और अपने अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए कैप्टन तुषार ने वीरगति को प्राप्त करने से पहले उस आतंकवादी को मार गिराया । अपने दल के सदस्यों की सुरक्षा करते हुए उनके सर्वोच्च बलिदान से ही इस भवन को खाली कराया जा सका और तीन आतंकवादियों के मृत शरीर को हासिल किया जा सका।

कैप्टन तुषार महाजन ने एक आतंकवादी का सफाया करने तथा अपने जख़्मी साथियों को बचाकर निकालने के दौरान अदम्य साहस, शूरवीरता, प्रेरक नेतृत्व और आत्मबलिदान का प्रदर्शन किया।

14. 13769974डब्ल्यू लांस नायक ओम प्रकाश, 9वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल) (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 20 फरवरी 2016)

लांस नायक ओम प्रकाश जम्मू कश्मीर के पुलवामा जिले में पम्पोर भवन में हस्तक्षेपक दल का नेतृत्व करने वाले स्काउट थे । वे एक वेटरन प्वांइट्समैन और युद्ध हताहत थे जिन्हें चार आतंकवादियों का सफाया करने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा विशेष समूह में असाधारण सुरक्षा सेवा प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया था।

21 फरवरी 2016 को प्रथम तल के दरवाजे में सेंध लगाकर वे सुरक्षा बलों को द्वितीय तल के गलियारे तक ले गए जब उन्हें तीसरे तल से अंधाधुंध गोलियां लगीं । अपने साथियों के प्राणों को संकट में देखते हुए लांस नायक ओम प्रकाश ने तुरंत जवाबी गोलाबारी शुरु कर आतंकवादियों का ध्यान बंटाया और इस तरह उनकी गोलाबारी का निशाना स्वयं बन गए । इस गोलीबारी में वे गंभीर रूप से घायल हो गए । जख़्मों के असहनीय दर्द और बह रहे रक्त की परवाह न करते हुए और स्वयं को असुरक्षित स्थिति में पाकर भी कठिन परिस्थितियों से लोहा लेते हुए वे आगे बढ़े और अडिग आक्रामकता और बेजोड़ साहस दिखाते हुए आतंकवादियों की गोलियों का पुनः शिकार होने से पहले एक आतंकवादी को ढेर कर दिया। उनके बहादुरी से आगे बढ़ने के कारण उनके साथियों पर दबाव कम हुआ और इस तरह बचे हुए आतंकवादियों का सफाया करने का रास्ता साफ हो गया । अपने दस्ते की सुरक्षा पूरी तरह महफ़ूज हो जाने के बाद ही वे असहनीय दर्द में छिपने के स्थान तक गए जहां से उन्हें बाहर निकाला गया और अस्पताल में घायल होने के कारण उनकी मृत्यु हो गई ।

लांस नायक ओम प्रकाश ने सर्वोच्च बलिदान देने से पहले एक आतंकवादी को मारने, अपने साथियों की सुरक्षा महफ़ूज रखने और स्वयं को बचाने के दौरान अदम्य साहस, शूरवीरता और निःस्वार्थ भावना का प्रदर्शन किया ।

अ. राय
विशेष कार्य अधिकारी

संख्या 107-प्रेज/2016- **राष्ट्रपति** असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों को "**सेना मेडल/आर्मी मेडल**" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं:-

1. आईसी-57039एल कर्नल तरून पाठक, दि पंजाब रेजिमेंट / 23वीं बटालियन दि असम राईफल्स
2. आईसी-57099ए लेफ्टिनेंट कर्नल संजय टेकचन्दानी, 203 सैन्य विमानन स्कॉवड्रन (यूएच)
3. आईसी-57963एल लेफ्टिनेंट कर्नल राजेश गुलाटी, 202 सैन्य विमानन स्कॉवड्रन (यूएच) (**मरणोपरान्त**)
4. आईसी-62561एक्स लेफ्टिनेंट कर्नल नितिन गुप्ता, दि पैराशूट रेजिमेंट / 31वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
5. आईसी-63538डब्ल्यू मेजर राहुल प्रताप सिंह, 7वीं बटालियन दि सिख लाईट ईंफैन्ट्री
6. आईसी-64506ए मेजर शेखर चौधरी, 7 वीं बटालियन दि सिख लाईट ईंफैन्ट्री
7. आईसी-65932ए मेजर अमित ईस्सर, कवचित कोर / 23 वीं बटालियन दि असम राईफल्स
8. आईसी-66235एम मेजर शैलेंद्र सिंह, दि डोगरा रेजिमेंट / 62 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
9. आईसी-67606डब्ल्यू मेजर पुरोहित गोपालराज जसराज, दि डोगरा रेजिमेंट / 62 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
10. आईसी-68171एल मेजर सन्तोष चन्द रावत, दि गढ़वाल राईफल्स, 36 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
11. आईसी-68549एम मेजर दोरजी लेटा, सेना सेवा कोर / 28 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
12. आईसी-68621एक्स मेजर अमन सिंह, सेना सेवा कोर / 13 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
13. आईसी-68668एच मेजर विवेक त्रिपाठी, दि लद्दाख स्काऊट्स / 11 वीं बटालियन दि असम राईफल्स
14. आईसी-70210एक्स मेजर प्रदीप पूनिया, दि राजपूत रेजिमेंट / 10 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
15. आईसी-73423डब्ल्यू मेजर जितेन्द्र कुमार सिंह, दि लद्दाख स्काऊट्स / 42 वीं बटालियन दि असम राईफल्स
16. एसएस-44113एच मेजर ताहेर हुस्सैन खान, 202 सैन्य विमानन स्कॉवड्रन (यूएच) (**मरणोपरान्त**)
17. एसएस-44509एम मेजर दिव्यांक मिश्रा, सेना वायु रक्षा / 36 वीं बटालियन दि असम राईफल्स
18. एसएस-44901एम मेजर अर्जुन गलोत, 4 थी बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
19. एससी-00601एल मेजर रोहताश सिंह, कवचित कोर / 53 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
20. आईसी-72362एक्स कैप्टन विकास पंघाल, कवचित कोर / प्रथम बटालियन दि असम राईफल्स
21. आईसी-76281पी कैप्टन राजेश शर्मा, इलैक्ट्रानिक्स एण्ड मैकेनिकल इंजिनियर्स कोर, तीसरी बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
22. आईसी-76882ए कैप्टन सुशांत शर्मा, सिग्नल कोर / 55 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
23. आईसी-78616ए कैप्टन लखवीर सिंह, तीसरी बटालियन दि राजपूत रेजिमेंट
24. एसएस-47213वाई कैप्टन दिवाकर कोंगब्राइलाटपम, प्रथम बटालियन दि महार रेजिमेंट
25. एसएस-46682पी लैफ्टिनेंट सतीश कुमार मिश्रा,तोपखाना रेजिमेंट / 159 फील्ड रेजिमेन्ट
26. जेसी-65809एफ नायब सूबेदार सूरज तमांग, 44 वीं बटालियन दि असम राईफल्स (**मरणोपरान्त**)
27. जेसी-413976डब्ल्यू नायब सूबेदार मोरे सायाजि उत्तम, 12 वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
28. जेसी-522085के नायब सूबेदार राम सिंह, 6वीं बटालियन दि डोगरा रेजिमेन्ट (**मरणोपरांत**)
29. जेसी-603091एक्स नायब सूबेदार अशोक कुमार गुरुंग, प्रथम गोरखा राईफल्स, 15 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
30. जेसी-603121के नायब सूबेदार क्षत्र बहादुर फकामी, तीसरी बटालियन दि प्रथम गोरखा राईफल्स
31. 2600705डब्ल्यू हवलदार इलुमलई एम, 19 वीं बटालियन दि मद्रास रेजिमेंट (**मरणोपरान्त**)
32. 4475283ए हवलदार गुरमुख सिंह, 7 वीं बटालियन दि सिख लाईट ईंफैन्ट्री

33. 13758291एच हवलदार यश पॉल, 11 वीं बटालियन दि जम्मू और कश्मीर राईफल्स

34. 13765370ए हवलदार रंजीत सिंह, दि जम्मू और कश्मीर राईफल्स / 28 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

35. 15573730एच लांस हवलदार दासपुते रामेशवर पुंडलिक, ईन्जीनियर्स कोर / दूसरी बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

36. 3998526वाई नायक रहीम सिंह, दि डोगरा रेजिमेंट / 40 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

37. 15146474एफ नायक रवि चौधरी, तोपखाना रेजिमेंट, / 13 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

38. 15322690ए नायक शंकरा सपालिया, 9 वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)

39. 2610836पी लांस नायक हनमनथप्पा कोपड़, 19 वीं बटालियन दि मद्रास रेजिमेंट (**मरणोपरान्त**)

40. 4086938एन लांस नायक सत्येन्द्र सिंह, दि गढ़वाल राईफल्स / 36 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

41. 4482230के लांस नायक परवीन कुमार सिंह, दि सिख लाईट ईंफैन्ट्री / 19 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

42. 5048754एफ लांस नायक नारायण श्रेष्ठ, तीसरी बटालियन दि प्रथम गोरखा राईफल्स

43. 13625619के लांस नायक गोविन्द सिंह मेहता, 9 वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल) (**मरणोपरान्त**)

44. 13766306पी लांस नायक अश्वनी कुमार, दि जम्मू और कश्मीर राईफल्स / तीसरी बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

45. 14495821एफ लांस नायक कुलवंत सिंह, 1055 डीएससी प्लाटून (**मरणोपरान्त**)

46. 2615937एम सिपाही रामा मूर्ति एन, 19 वीं बटालियन दि मद्रास रेजिमेंट (**मरणोपरान्त**)

47. 3008862डब्ल्यू सिपाही ब्रजेश खटाना, दि राजपूत रेजिमेंट / 44 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

48. 3200235वाई सिपाही बिजेन्द्र कुमार, 7 वीं बटालियन दि जाट रेजिमेंट

49. 4004812के सिपाही बाल्मिक कुमार, दि डोगरा रेजिमेंट / 40 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

50. 4204205पी सिपाही भुपेन्द्र सिंह, दि कुमाऊँ रेजिमेंट / 13 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

51. 4093554एफ राईफलमैन आशीष सिंह नेगी, दि गढ़वाल राईफल्स / 36 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

52. 5049372के राईफलमैन राजू थापा, तीसरी बटालियन दि प्रथम गोरखा राईफल्स

53. 12954596वाई राईफलमैन बशीर अहमद वार, दि जम्मू और कश्मीर राईफल्स / 15 सेना स्वान दल (**मरणोपरान्त**)

54. 13772197के राईफलमैन ईश्वर सिंह, दि जम्मू और कश्मीर राईफल्स / तीसरी बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

55. 13773984एक्स राईफलमैन कृष्ण कुमार, दि जम्मू और कश्मीर राईफल्स / 28 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

56. 16021965एन राईफलमैन राहुल सिंह, दि राजपूताना राईफल्स /18 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

57. जी/184799एम राईफलमैन चिंगसा मोग, 18 वीं बटालियन दि असम राईफल्स

58. जी/5009333एच राईफलमैन पायोखोलेट बायटे, 24 वीं बटालियन दि असम राईफल्स (**मरणोपरान्त**)

59. जी/5013096एफ राईफलमैन थांगखानलम, 43 वीं बटालियन दि असम राईफल्स

60. 13629533एच पाराट्रूपर सनजित खत्रि, 21 वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)

61. 2702279एफ ग्रेनेडियर अमर सिंह, 16 वीं बटालियन दि ग्रेनेडियर्स

62. 15228018एच गनर सहदेव मारुती मोरे, दि तोपखाना रेजिमेंट / 41 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स (**मरणोपरान्त**)

63. 15504069डब्ल्यू सवार अमरीक सिंह, दि कवचित कोर / 53 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

अ. राय
विशेष कार्य अधिकारी

संख्या 108-प्रेज/2016—**राष्ट्रपति** असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों को "**नौसेना मेडल**" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं:-

1. लेफ्टिनंट कमांडर विकास कुमार नरवाल, 05433-वाई
2. वीर सिंह, सीपीओ सीडी-1, 122676-के

अ. राय
विशेष कार्य अधिकारी

संख्या 109-प्रेज/2016—**राष्ट्रपति** असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों को " **वायु सेना मेडल / एयर फोर्स मेडल** " प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं:-

1. स्क्वाड्रन लीडर अभिषेक सिंह तंवर (28211) उड़ान (पायलट)
2. स्क्वाड्रन लीडर भावेश कुमार दुबे (29775) प्रशासन / एयर ट्रैफिक कंट्रोलर

अ. राय
विशेष कार्य अधिकारी

संख्या 110-प्रेज/2016—**राष्ट्रपति सेनाध्यक्ष से रक्षा मंत्री द्वारा** "**मैंशन इन डिस्पेच**" प्राप्त करने वाले निम्नलिखित अधिकारियों / कार्मिकों के नामों को भारत के राजपत्र में प्रकाशित करने का आदेश देते हैं:-

ऑपरेशन मेघदूत

1. एसएस-44430के मेजर निंगथौजम सुभाष सिंह, डोगरा रेजिमेंट, सियाचिन बैटल स्कूल
2. जेसी – 588633डब्ल्यू सूबेदार सोनम टारग्यास, 3 लद्दाख स्काऊट्स
3. 14838229ए सिपाही बी नवीन कुमार, सेना सेवा कोर, 503 एएससी बटालियन (**मरणोपरान्त**)
4. 5050218एक्स राईफलमैन अनुप ठकुरी, गोरखा राईफल्स, सियाचिन बैटल स्कूल
5. 68355 ट्रेनी शेरिंग दोरजी, 2 विकास (एसएफएफ)

ऑपरेशन रक्षक

1. आईसी-51036एफ कर्नल सुनील कुमार सौल, सेना मेडल, राजपूत रेजिमेंट, 104 ईन्फैन्ट्री बिग्रेड
2. आईसी-59102एन लेफ्टिनेंट कर्नल अमोल लवाटे, 202 सेना विमानन स्क्वाड्रन (यू एच)
3. आईसी-61086ए लेफ्टिनेंट कर्नल अभिजीत साठये, 32 आर एण्ड ओ फ्लाईट
4. आईसी-62866एक्स मेजर सुमित कुमार सिंह, 22 सिख रेजिमेन्ट
5. आईसी-68843एम मेजर प्रतीक, राजपूताना राईफल्स, 9 राष्ट्रीय राईफल्स
6. आईसी-69112एल मेजर करन खुराना, मैकनाईज्ड ईंफैन्ट्री, 50 राष्ट्रीय राईफल्स
7. आईसी-70310एच मेजर करन ठाकुर, 12 ईन्जीनियर रेजिमेन्ट
8. आईसी-75080के कैप्टन आदर्श भारती, सिख लाईट ईंफैन्ट्री, 19 राष्ट्रीय राईफल्स
9. जेसी-521726वाई नायब सूबेदार सुरेन्द्र सिंह, डोगरा रेजिमेन्ट, 62 राष्ट्रीय राईफल्स
10. 4569924ए हवलदार नरेन्द्र कुमार, 1 महार रेजिमेन्ट
11. 13619726पी हवलदार देवेन्दर सिंह, पैराशूट रेजिमेन्ट, 31 राष्ट्रीय राईफल्स
12. 13623108एफ हवलदार प्रवीन कुमार, 4 पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
13. 15137023ए हवलदार विजय पाल, तोपखाना रेजिमेन्ट, 28 राष्ट्रीय राईफल्स
14. 4276867एन नायक गोपाल प्रधान, 15 बिहार रेजिमेन्ट
15. 2499496ए सिपाही मेजर सिंह, पंजाब रेजिमेन्ट, 53 राष्ट्रीय राईफल्स

16. 3016341एक्स सिपाही सुरेन्द्र, 26 राजपूत रेजिमेन्ट (**मरणोपरान्त**)

17. 4004976ए सिपाही अजय कुमार, डोगरा रेजिमेन्ट, 40 राष्ट्रीय राईफल्स

18. 12984799एक्स सिपाही जहूर अहमद बांडे, सिख लाईट ईंफैन्ट्री, 28 राष्ट्रीय राईफल्स

19. 18006381एक्स सैपर गुरपिन्दरजीत सिंह, ईन्जीनियर्स, 3 राष्ट्रीय राईफल्स

20. 13767985के राईफलमैन ब्रिज लाल, जम्मू और कश्मीर राईफल्स, 3 राष्ट्रीय राईफल्स

21. 16020437एक्स राईफलमैन अनिल कुमार, राजपूताना राईफल्स, 9 राष्ट्रीय राईफल्स

22. बी-922 आर्मी डॉग मानसी, आरवीसी, 15 आर्मी डॉग यूनिट (**मरणोपरान्त**)

ऑपरेशन राईनो

1. आईसी-65749एक्स मेजर राजेश कुमार नायक, 8 जाट रेजिमेन्ट

अ. राय
विशेष कार्य अधिकारी

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 2016

सं. यू–13019/1/2015–एएनएल––इस विषय पर पूर्व की सभी अधिसूचनाओं के अधिक्रमण में, राष्ट्रपति लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र के लिए गृह मंत्री से सम्बद्ध सलाहकार समिति को पुनर्गठित करते हैं।

2. इस सलाहकार समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल होंगे :––

(क) प्रशासक, लक्षद्वीप।

(ख) इस संघ राज्य क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले संसद सदस्य, लोक सभा।

(ग) जिला पंचायत, लक्ष्यद्वीप के प्रतिनिधि।

(i) अध्यक्ष, जिला पंचायत।

(ii) नेता प्रतिपक्ष।

(घ) सिविल सोसायटी आदि का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिष्ठित नामित सदस्य।

(i) श्रीमती एम.सी. फमीना, पम्पादम हाउस, कावारत्ती द्वीप, लक्षद्वीप–682555

(ii) श्री के. पी. मुथुकोया, फिरदौस, डाकघर के सामने, कावारत्ती, लक्षद्वीप–682555

(iii) श्री पी. जफर शाह, कोथम, कावारत्ती, लक्षद्वीप–682555

(iv) डॉ. एम. कोयम्मा कोया, मपलत, अंद्रोथ द्वीप, डाकघर, कावारत्ती, लक्षद्वीप–682555

(v) श्री एम. पी. सईद मोहम्मद कोया, असना हाउस, एमजी रोड, कावारत्ती, लक्षद्वीप–682555

(ङ) संयुक्त सचिव (यूटी) सदस्य सचिव के रूप में।

3. निम्नलिखित मामलों के संबंध में सलाहकार समिति के साथ परामर्श किया जाएगा :––

(क) स्टेट फील्ड में संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन से संबंधित नीति के सामान्य मामले।

(ख) राज्य सूची के मामलों के संबंध में संघ राज्य क्षेत्र से संबंधित सभी विधायी प्रस्ताव।

(ग) संघ के वार्षिक वित्तीय विवरण जहां तक इसका संबंध संघ राज्य क्षेत्र से है, से संबंधित ऐसे मामले, एवं ऐसे अन्य वित्तीय मामले जो राष्ट्रपति द्वारा इसे भेजे जाएं।

(घ) संघ राज्य क्षेत्र से संबंधित सभी विकासात्मक मुद्दे।

(ङ) आंतरिक सुरक्षा से जुड़े मामले।

(च) कोई अन्य मामला जिस पर गृह मंत्री द्वारा यह आवश्यक अथवा वांछनीय समझा जाए कि सलाहकार समिति से परामर्श लिया जाए।

4. नामित सदस्यों के कार्यकाल की अवधि दो वर्षों की होगी। समिति वर्ष में एक बार या अध्यक्ष/गृह मंत्री की सुविधानुसार

बैठक करेगी। सलाहकार समिति के सदस्य का पद मानद होगा और इसके लिए कोई वेतन या पारिश्रमिक नहीं होगा।

एम. वी. विजयन
उप सचिव

———————————

सं. यू—13019/2/2013—एएनएल——इस विषय पर पूर्व की सभी अधिसूचनाओं के अधिक्रमण में, राष्ट्रपति अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह संघ राज्य क्षेत्र के लिए गृह मंत्री से सम्बद्ध सलाहकार समिति को पुनर्गठित करते हैं।

2. इस सलाकार समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे :——

(क) उपराज्यपाल, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह।

(ख) मुख्य सचिव, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह।

(ग) इस संघ राज्य क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कने वाले लोक सभा सदस्य।

(घ) पोर्ट ब्लेयर नगरपालिका परिषद (पीबीएमसी) के प्रतिनिधि।

(i) अध्यक्ष, पोर्ट ब्लेयर नगरपालिका परिषद (पीबीएमसी)

(ii) नेता प्रतिपक्ष।

(ङ) दोनों जिला परिषदों के प्रतिनिधि।

(i) अध्यक्ष, जिला परिषद।

(ii) नेता प्रतिपक्ष, जिला परिषद्।

(च) विभिन्न हित समूहों का प्रतिनिधित्व करने वाले नामित सदस्य :——

(i) श्री हरिनारायण अरोड़ा, मार्फत भारत जनरल स्टोर, अबरदीन बाजार, पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह।

(ii) श्री विशाल जौली, मार्फत विशाल निवास, गांव और डाकघर—बम्बूफ्लैट, दक्षिणी अंडमान, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह।

(iii) डॉ. रोहिन्दर लाल, रोहिन्स आई हास्पिटल, ऑल इंडिया रेडियो रोड, वार्ड नं. 7, डाक : हाड्डो, पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह।

(iv) श्री अजय बैरागी, ग्राम — आर. के. ग्रामपीयन, डाक—दिगलीपुर, उत्तरी अंडमान, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह।

(v) श्रीमती दुर्गावती, मकान सं. 150, महात्मा गांधी रोड, जंगलीघाट, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह।

(छ) संयुक्त सचिव (यू टी) सदस्य सचिव के रूप में।

3. सलाहकार समिति के साथ निम्नलिखित मामलों के संबंध में परामर्श किया जाएगा :——

(क) स्टेट फील्ड में संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासन से संबंधित नीति के सामान्य प्रश्न।

(ख) राज्य सूची के मामलों के संबंध में संघ राज्य क्षेत्र से संबंधित सभी विधायी प्रस्ताव।

(ग) संघ के वार्षिक वित्तीय विवरण से संबंधित ऐसे मामले, जहां तक यह क्षेत्र से संबंधित हैं एवं ऐसे अन्य वित्तीय प्रश्न जो राष्ट्रपति द्वारा इसको भेजे जाएं।

(घ) संघ राज्य क्षेत्र से संबंधित सभी विकासात्मक मुद्दे।

(ङ) आंतरिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दे।

(च) कोई अन्य ऐसा मामला जिस पर गृह मंत्री द्वारा यह आवश्यक या वांछनीय समझा जाए कि सलाहकार समिति से परामर्श लिया जाए।

4. नामित सदस्यों के कार्यकाल की अवधि दो वर्षों की होगी। समिति वर्ष में एक बार या अध्यक्ष/गृह मंत्री की सुविधानुसार बैठक करेगी। सलाहकार समिति के सदस्य का पद मानद होगा और इसके लिए कोई वेतन या पारिश्रमिक नहीं होगा।

एम. वी. विजयन
उप सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 15th August 2016

No. 105-Pres/2016—The President is pleased to approve the award of the "Ashoka Chakra" to the under mentioned person for the act of most conspicuous gallantry:-

13622536N HAVILDAR HANGPAN DADA, THE ASSAM REGIMENT/35TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 26 May, 2016)

On 26 May 2016, when terrorists managed to break contact with our stops at Naugam Sector in Kupwara district of Jammu and Kashmir, Havildar Hangpan Dada along with his section was tasked to chase and trap fleeing terrorists. Displaying ingenuity and understanding of ground, the ex-commando moved with incredible speed in inhospitable snow bound high altitude terrain. This move blocked the escape route of the terrorists and surprised them.

In the ensuing firefight, when his section was pinned down by heavy and accurate fire, with utter disregard to his own safety he moved to a flank and closed in with the terrorists sheltered in rocks and boulders, resulting in saving lives of his comrades. He displayed exemplary courage and presence of mind and killed two terrorists at close quarters. In the exchange of fire, he was grievously injured. Undeterred, the NCO went after the remaining terrorists. In the process, he came face to face with the third terrorist whom he killed in hand to hand combat before making the supreme sacrifice. Thus, Hav Hangpan Dada killed three terrorists in the operation single handedly and his action led to elimination of the fourth terrorist.

Hav Hangpan Dada exhibited most conspicuous gallantry, selfless devotion beyond the call of duty, and made the supreme sacrifice while fighting the terrorists.

A. RAI
Officer on Special Duty

———————

No. 106-Pres/2016—The President is pleased to approve the award of the "Shaurya Chakra" to the under mentioned persons for the acts of gallantry:-

1. SHRI ATU ZUMVU, SUB-DIVISIONAL POLICE OFFICER (SDPO), KOHIMA, NAGALAND

(Effective date of the award : 14 January, 2015)

Acting on the information from sources which had been in surveillance for more than a month, Shri Atu Zumvu, Sub-Divisional Police Officer (SDPO), posted at Kohima, accompanied by other personnel, conducted a search and special operation in wee hours of 14.1.2015 and busted the hide out of suspected NDFB (National Democratic Front of Bodoland) (Sangbijit) outfit in the outskirt of Kohima, Nagaland. A thorough search was launched. After risking his life, three high ranking hardcore NDFB(S) militants, who were responsible for massacring 81 innocent people on 23rd December, 2014 in Assam and wanted by the NIA, were apprehended by the officer on 14.1.2015 from a hideout located at the outskirts of Kohima. The timely arrest of the 3 (three) hardcore NDBF (S) militants had prevented their escape to Myanmar or to create more law and order situation in North East, especially in the State of Assam. During preliminary investigation, it was learnt that the trio had sneaked into the State capital via Dimapur, evading arrest from the Assam Police.

Had they not been arrested there were high chances of their escaping to Myanmar and becoming a threat to law and order situation in the North East and particularly to the State of Assam.

Again on 23rd January, 2015, in another separate incident, two hardcore NSCN(K) cadre, responsible for abduction of 6(six) truck drivers of Manipur State for ransom on NH-29, were courageously apprehended by Shri Zumvu risking his life. They were subsequently booked under National Security Act. On 23rd January 2015, Shri Atu Zumvu led a joint team and conducted surveillance between the stretch of aforementioned location along NH-29 and at around 0945 P.M, he noticed a white coloured Maruti Gypsy, which was moving towards Kohima in a suspicious manner. The said vehicle boarding three person forcefully overtook one truck bearing Registration No. NL-07A/5389 and stopped it. Shri Zumvui's team rushed to the spot. The miscreants on seeing the police team tried to flee, however as the act was spontaneous, the 2(two) persons involved were arrested red handed from the spot. During preliminary investigation, the two arrested persons were identified as John Sema, SS 2nd Lieutenant and Habwang Konyak, SS Corporal, NSCN(National Socialist Council of Nagaland)(K). The apprehension of this group members brought normalcy and free of anti-social elements along NH-29 on the stretch for commuters especially to Manipur bound trucks transporting commodities late at nights.

Shri Zumvu, thus exhibited exemplary courage and commitment for duty and apprehended miscreants without caring for his life.

2. 5756771H NAIK BIR SINGH, 21ST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

(Effective date of the award : 28 August, 2015)

During OPERATION PANGSHA conducted on 28 August 2015 at International Trade Centre area, Dan Pangsha at Nagaland, Naik Bir Singh was the Commander of the Squad tasked to ambush the vehicles of NSCN (K) insurgents. When Naik Bir Singh and his buddy moved to intercept the vehicles, the militants were shocked by the swift action of Naik Bir Singh and fired on him indiscriminately. With lightning-fast reflexes, he immediately raised his weapon and engaged the militants, killing one instantly and wounding two others. In the ensuing firefight, despite multiple bullet wounds including one to his thigh-bone, Naik Bir Singh crawled along the foliage, under intense insurgent fire and brought down accurate fire on another militant who had taken cover behind a vehicle to fire at the squad, neutralising him on the spot. Ignoring the profuse bleeding and pain from his grave injury, the NCO demonstrated exceptional resolve to control and divert his squad to a safe zone all the while relentlessly firing at the militants to suppress their fire, thus displaying the highest standards of camaraderie and esprit de corps, upholding the glorious tradition of the Indian Army.

Naik Bir Singh displayed gallantry, tenacious leadership and outstanding courage under fire beyond the call of duty.

3. IC-75501F CAPTAIN GAURAV SHARAD JADHAV, REGIMENT OF ARTILLERY / 36TH BATTALION, THE RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of the award : 17 September, 2015)

Captain Gaurav Sharad Jadhav as High Risk Mission Platoon Commander of 36 Rashtriya Rifles (GARHWAL RIFLES), on 17 September 2015, at 2100 hrs, on receiving information of suspicious activity near enemy post LC Hut at Bandipore district of Jammu and Kashmir, appreciated the likely infiltration route and laid an ambush with 10 Other Ranks in one of the most treacherous and inhospitable terrain.

At 2345 hrs, on noticing the approaching terrorists, with exemplary presence of mind the officer readjusted and sprung the ambush at the opportune moment leading to a fierce fire fight for 15-20 minutes. Appreciating that the terrorists might sneak back across the Line of Control, with utter disregard to his personal safety and unflinching grit moved into the killing ground and killed one terrorist.

Meanwhile another terrorist lobbed a grenade at the officer. Displaying unparalleled military acumen the officer pinned down the terrorist with a grenade thereby forcing him to take cover. Seizing the opportunity with raw courage, the officer jumped out of cover and shot the second terrorist in his head.

Captain Gaurav Sharad Jadhav displayed brave act in the face of certain death with ability to lead without casualties during the operation.

4. IC-62820P MAJOR RAHUL DEV SINGH, THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES / 3RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of the award : 04 October, 2015)

On 04 October 2015, on specific input regarding presence of terrorists in Harigaon, Pulwama district of Jammu & Kashmir, the officer launched his party to cordon the area. While the search party was approaching the target house, two terrorists rushed out, firing indiscriminately on search party resulting in injury to his buddy. The officer quickly retaliated, pinning down the terrorists and injuring one of them. The officer, under heavy volley of fire, evacuated his buddy to safety. While doing so, he also engaged the terrorists and eliminated one terrorist.

Subsequently on 23 Nov 2015 in another operation in village Siligam, district of Anantnag of Jammu & Kashmir while the search party led by him came under fire from terrorists, officer assessed the situation and readjusted the party to intercept the fleeing terrorist. When the officer and his buddy were approaching the location, they came under heavy and effective fire. Undaunted by the fire, the officer under the covering fire of his buddy and with utter disregard to own safety, displayed conspicuous bravery and unflinching courage closed in and single-handedly killed one of the terrorist.

Major Rahul Dev Singh displayed dauntless courage, exemplary leadership, tactical acumen with utter disregard to personal safety during both the operations, which resulted in elimination of three dreaded terrorists.

5. JC-311084X NAIB SUBEDAR KANKARA V SUBBA REDDY, CORPS OF ENGINEERS / 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 26 October, 2015)

On 26 October 2015 at 1620 hours, Naib Subedar Kankara V Subba Reddy, received information from Maj Ashutosh Kumar Pandey, about presence of two terrorists in the village Drabgam of Pulwama district of Jammu and Kashmir. Naib Subedar Kankara along with his team successfully cordoned the suspected area while maintaining surprise.

At 1720 hrs Naib Subedar Kankara observed two suspicious individuals near target house. The JCO along with his buddy Sepoy Brajesh Khatana using highest standard of field craft closed in towards the suspects, fearlessly and challenged them. On being challenged, the suspects replied with heavy automatic fire thereby injuring Naib Subedar Kankara. Although bleeding profusely, beyond call of duty, the JCO retaliated with aimed fire which killed one terrorist instantaneously and injured the second before becoming unconscious. Later, the JCO was evacuated to 92 Base Hospital, however, succumbed to his injury. He fought bravely befitting the tradition of the Indian Army.

Naib Subedar Kankara V Subba Reddy displayed tactical acumen, courage under fire with deep sense of mission orientation and making supreme sacrifice for the nation resulting in successful elimination of two hardcore terrorists.

6. 14939722P SEPOY HARI CHETTRI, THE MECHANIZED INFANTRY/9TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of the award : 29 October, 2015)

Sepoy Hari Chettri was part of the operation at Khandipura village of Kulgam district of Jamuu and Kashmir based on hard intelligence regarding presence of Lashkar-e-Toiba Chief Abu Qasim, one of the longest surviving terrorists involved in planning and execution of numerous terrorist initiated incidents on Security Forces.

Sepoy Hari was placed as a stop in the cordon and at approx 0215 hours on 29 October 2015 observed suspicious move of an individual towards him. Before he could realise, the terrorist lobbed a grenade and fired indiscriminately on him in a desperate bid to escape. Unflinched by the shock effect caused by the grenade blast, he maintained due composure and mental alertness and fired back thereby injuring the terrorist. The injured terrorist kept moving and fired bursts of rounds on Sepoy Hari Chettri. Displaying conspicuous courage beyond the call of duty, Sepoy Hari Chettri held his ground and kept bringing down accurate fire on the terrorist, ultimately eliminating him while he was just three feet away from him.

Sepoy Hari Chettri displayed the gallantry beyond the call of duty, extreme presence of mind, determination and tenacity resulting in the elimination of a terrorist.

7. IC-76699X CAPTAIN ELISEN Y JAMI, 12TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

(Effective date of the award : 02 November, 2015)

Captain Elisen Y Jami launched a special operation in the jungles adjoining Aghunato village in Zuneboto district of Nagaland on 31 Oct 15. After negotiating thick jungles and treacherous mountains, the party reached the area of operations on 02 Nov 15 at 0400 hrs.

At 0530 hours, the party noticed and challenged a suspiciously moving Tata Sumo moving on a track, following which the party came under effective fire from the vehicle. Sensing danger to his party and realizing the presence of a kidnapped civilian in the vehicle, Captain Jami, with utter disregard to his personal safety, while exposing himself drew fire upon himself, engaged one terrorist and shot him dead. Shocked by his audacious action, the balance of the terrorists started to flee towards the adjoining jungles firing indiscriminately. Despite under fire, exercising utmost restraint and tact, Captain Jami secured the kidnapped civilian and thereafter pursued the fleeing terrorists along with his JCO, closed on to their position and personally shot down the second terrorist at close range.

Captain Elisen Y Jami displayed act of gallantry with utmost restraint while under fire resulting saving the kidnapped civilian.

8. 924787 CORPORAL GURSEVEK SINGH INDIAN AIR FORCE (SECURITY) (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 02 January, 2016)

Corporal Gursevek Singh, Indian Air Force (Security) was deployed as Special Forces operative at an Indian Air Force (IAF) Garud Special Forces Unit since 30 Sep 2013.

He was inducted for special operations at Air Force Station Pathankot as part of a Garud team on the evening of 01 Jan 2016. During the special operations, Corporal Gursevek Singh was the track commander of an assault team deployed for a search operation inside Air Force Station, Pathankot.

On 02 January 2016, at 0310h, during search operations, he observed a group of terrorists and moved quickly to intercept them after alerting the whole assault squad. In the process, his team came under intense hostile fire from four terrorists, in which one of his team members was grievously injured. Corporal Gursevek Singh, along with his buddy officer, engaged the terrorists in a fierce exchange of fire. During the course of the assault, he suffered three severe gunshot wounds. Despite his injuries, he refused evacuation and along with his buddy officer, continued to engage the four terrorists at extremely close range till his last breath. His brave resistance under fire, without regard to his personal safety, resulted in the terrorists being contained at the same spot for more than 25 minutes till the arrival of reinforcements. The terrorists were prevented from entering the technical area of the Air Force Station, thereby ensuring the safety of all aircraft and other strategic assets.

In the face of heavy odds, Cpl Gursevek Singh's professionalism, exemplary courage and display of esprit de corps stood out as he made the supreme sacrifice for the nation in the face of the enemy.

9. IC-66162L LIEUTENANT COLONEL NIRANJAN EK, CORPS OF ENGINEERS/NATIONAL SECURITY GUARDS (BDU) (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 03 January, 2016)

On 03 Jan 2016 at Air Force Station, Pathankot, Punjab, the Bomb Disposal team of the Counter Terrorist Task Force of National Security Guards was tasked to remove and recover live grenades, shells and dead bodies of terrorists as part of sanitization operation. The operation area was thickly vegetated and undulating with lot of unexploded grenades and explosive devices rendering the approach to the dead bodies of the terrorist extremely hazardous. Lieutenant Colonel Niranjan EK volunteered to lead his team for this high risk task of recovering the IEDs and dead bodies of the terrorists. The officer effectively removed two dead bodies of the terrorists and successfully neutralized the booby trapped IEDs attached to the bodies. Keeping in mind the safety of his team and displaying utter disregard to his personal safety, the officer led the recovery of the third body of the terrorist and while doing so, a concealed booby trapped grenade blasted and the officer sustained severe multiple splinter injuries.

Lieutenant Colonel Niranjan EK displayed act of bravery, unparalleled dedication to the mission, indomitable courage of highest order in the face of enemy, extraordinary leadership ensuring safe passage for the intervening troops to conduct the successful operation and led to the neutralization of two terrorists and made supreme sacrifice.

10. SHRI KUKUDAPU SRINIVASULU, POLICE CONSTABLE(9365), CI CELL, TELANGANA

(Effective date of the award : 23 January, 2016)

Shri K. Srinivasulu, PC was deputed to Bangalore city to assist the NIA to track some terror suspects in Karnataka State. He, along with colleagues of CI Cell of Telangana State, kept surveillance on terrorist suspects. In the course of surveillance on 23.1.2016, he found a terrorist suspect Alam Zeb Afridi moving on Hero Splendour with a woman pillion rider on Doddla Naga Magala road in Bangalore. Alam Zeb Afridi was a SIMI activist turned Indian Mujahideen and Islamic State operative. He was involved in 12 serial bomb blast cases of Ahmedabad (2008); Church street blast and burning of Israel Visa Processing Centre (Bangalore); Islamic State conspiracy case (Rc.No.14/2015/NIA/DLI PS) etc. He was instrumental in imparting training in preparation and usage of IEDs to IS module in Hyderabad.

Shri Srinivasulu immediately chased the suspect on motor bike to track him down. Getting suspicious, the terror suspect turned his bike and hit the bike of Shri Srinivasulu. No sooner did Shri Srinivasulu fall down, the suspect pounced upon him and attacked him viciously with a dagger and caused stab injury in his abdomen and tried to flee. Even after getting injured, Shri Srinivasulu did not give up and held on to the suspect tightly, preventing him from running away. Repeated requests by Shri Srinivasulu were ignored by the private security guards and bystanders, who remained mute spectators. Despite his injuries, he managed to overpower and apprehend the dreaded terrorist. His arrest led to busting of Junood-Ul-Khilafa Fil Hind module affiliated to IS, arrest of its 22 activists across the country, besides recovery of pipe bombs, explosives material, etc.

Shri K. Srinivasulu, PC exhibited act of bravery, exemplary valour and fortitude in apprehending Alam Zeb Afridi risking his own life.

11. 2799285W NAIK SHINDE SHANKAR CHANDRABHAN, THE MARATHA LIGHT INFANTRY / 41ST BATTALION, THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 12 February, 2016)

Based on specific input, a search and destroy operation was launched by Maj Harvinder Singh in village Marsari of Kupwara district of Jammu and Kashmir on 12 February 2016 at 1300 hours.

Naik Shinde Shankar Chandrabhan was the scout alongwith Gunner Sahadev Maruti More. At 1415 hours, as the team approached the suspected house, intense and effective heavy volume of automatic fire was brought down by terrorists hiding in the house. Naik Shinde, despite being hit grievously, effectively pinned down the terrorists by his bold retaliatory fire, thereby assisting Gunner More to crawl close to the door. Undeterred and unmindful of his own injuries, the individual displayed extraordinary grit to cover the entry of Gunner More. When Gunner More was hit, Naik Shinde selflessly hurled himself on the terrorists and killed one at extreme close range. Sensing presence of more terrorists and grave danger to his team members, Naik Shinde maneuvered to outflank the terrorists and engaged them from an advantageous position thus eliminating second terrorist. The NCO continued to fire effectively thus pinning them down and sustained multiple gunshot wounds to which he succumbed subsequently.

Naik Shinde displayed raw courage, audacity in face of grave personal danger and an indomitable fighting spirit, which led to elimination of five hardcore well trained foreign terrorists and recovery of huge cache of war like stores.

Naik Shinde Shankar Chandrabhan displayed act of fortitude and selfless bravery in which he personally killed two hardcore terrorists and ensured safety of his team members, before making supreme sacrifice.

12. IC-78545K CAPTAIN PAWAN KUMAR, 10TH BATTALION, THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES) (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 20 February, 2016)

Captain Pawan Kumar epitomizes the spirit of the quintessential Special Forces officer. From October 15 to February 16, the officer led his troop in four successful operations that resulted in the elimination of six terrorists. Contrary to the medical advice, he ignored injuries sustained in a previous operation and continued leading his men on relentless counter terrorist operations.

On 20 Feb 2016, still recovering from his past injury, Captain Pawan Kumar led his troop during Pampore operation at Pulwama district of Jammu and Kashmir. Despite grave personal risk the officer conducted close reconnaissance of the target building and decided to conduct building intervention operation - a high risk option to obviate collateral damage. Leading from the front, he reached the top floor, firing into the door and window of the room in which the terrorists were holed up. As he kicked the door to lob the grenade inside, the hidden terrorist shot him from a close range. Undeterred by his grievous injuries and refusing evacuation, the officer kept firing at the terrorist killing him. His gallant action saved the lives of his comrades and set the stage for elimination of remaining terrorists.

Displaying unparalleled courage and indomitable spirit in four consecutive operations, Captain Pawan Kumar made supreme sacrifice for the nation.

13. IC-72326M CAPTAIN TUSHAR MAHAJAN, 9TH BATTALION, THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES) (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 20 February, 2016)

Captain Tushar Mahajan was the architect of the Pampore building intervention operation wherein he formulated the plan, sited the fire bases and led the building clearance operation at Pulwama district of Jammu and Kashmir from 20 to 22 February.

As the operation progressed, Capt Tushar risked himself to extricate the grievously wounded Lance Naik Om Parkash under fire. While approaching the third floor his squad drew terrorist fire from a room. Undeterred, the officer lobbed grenades and cleared the room that had caught fire. Emerging into the corridor they were pinned down by heavy fire from a room further ahead. Seeing his men threatened, Capt Tushar advanced forward, firing and lobbing grenades simultaneously. The hail of terrorist fire caught Capt Tushar in his legs, swinging him midway. Bleeding profusely, the officer overcame excruciating pain and returned fire, wounding the terrorist. Shot again in the arm, Capt Tushar, displaying unparalleled resilience, aggression and raw courage charged and killed the terrorist instantly before collapsing and succumbed to his wounds during evacuation. His supreme sacrifice while safeguarding his men galvanised them into clearing the building and recovering bodies of three terrorists.

Captain Tushar Mahajan displayed indomitable courage, gallantry, inspiring leadership and self sacrifice while eliminating one terrorist and evacuating his wounded comrade.

14. 13769974W LANCE NAIK OM PARKASH, 9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES) (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 20 February, 2016)

Lance Naik Om Parkash was the leading scout during the Pampore building intervention at Pulwama district of Jammu and Kashmir. A veteran pointsman and Battle Causalty, he had been awarded the Asadharan Suraksha Seva Praman Patra in Special Group by the Prime Minister for eliminating four terrorists.

On 21 February 2016, having breached the first floor door, he led the clearance upto second floor lobby when they drew heavy fire from third floor. Realising the mortal threat to his comrades, L/Nk Om Prakash immediately returned fire thereby diverting the terrorist's attention and drawing fire onto himself, sustaining grievous gunshot wound in the process. Unmindful of his pain and blood loss, he despite his disadvantageous position, defied odds to advance forward and displaying raw aggression and unparalleled courage eliminated one terrorist before being shot again. His gallant charge eased pressure on his comrades and set stage for elimination of the remaining terrorist. Having ensured his squad's safety, he painfully extricated himself to cover, before being evacuated and succumbed to his wounds in the hospital.

Lance Naik Om Parkash displayed indomitable courage, gallantry and selflessness while killing one terrorist, ensuring safety of his comrades and extricating himself before making the supreme sacrifice.

A. RAI
Officer on Special Duty

No. 107-Pres/2016—The President is pleased to approve the award of the "Sena Medal/Army Medal" to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:-

1. IC-57039L COLONEL TARUN PATHAK, THE PUNJAB REGIMENT / 23RD BATTALION THE ASSAM RIFLES
2. IC-57099A LIEUTENANT COLONEL SANJAY TECKCHANDANI, 203 ARMY AVIATION SQUADRON (UH)
3. IC-57963L LIEUTENANT COLONEL RAJESH GULATI, 202 ARMY AVIATION SQUADRON (UH) (POSTHUMOUS)
4. IC-62561X LIEUTENANT COLONEL NITIN GUPTA, THE PARACHUTE REGIMENT / 31ST BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
5. IC-63538W MAJOR RAHUL PRATAP SINGH, 7TH BATTALION THE SIKH LIGHT INFANTRY
6. IC-64506A MAJOR SHEKHAR CHAUDHARY, 7TH BATTALION THE SIKH LIGHT INFANTRY
7. IC-65932A MAJOR AMIT ISSAR, THE ARMOURED CORPS / 23RD BATTALION THE ASSAM RIFLES
8. IC-66235M MAJOR SHAILENDRA SINGH, THE DOGRA REGIMENT / 62ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
9. IC-67606W MAJOR PUROHIT GOPALRAJ JASRAJ, THE DOGRA REGIMENT / 62ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
10. IC-68171L MAJOR SANTOSH CHAND RAWAT, THE GARHWAL RIFLES / 36TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
11. IC-68549M MAJOR DORJEE LETA, ARMY SERVICE CORPS / 28TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
12. IC-68621X MAJOR AMAN SINGH, ARMY SERVICE CORPS / 13TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
13. IC-68668H MAJOR VIVEK TRIPATHI, THE LADAKH SCOUTS / 11TH BATTALION THE ASSAM RIFLES
14. IC-70210X MAJOR PRADEEP POONIA, THE RAJPUT REGIMENT / 10TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

15. IC-73423W MAJOR JITENDER KUMAR SINGH, THE LADAKH SCOUTS / 42 BATTALION THE ASSAM RIFLES
16. SS-44113H MAJOR TAHER HUSSAIN KHAN, 202 ARMY AVIATION SQUADRON (UH) (POSTHUMOUS)
17. SS-44509M MAJOR DIVYANK MISHRA, ARMY AIR DEFENCE / 36TH BATTALION THE ASSAM RIFLES
18. SS-44901M MAJOR ARJUN GALOTH, 4TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
19. SC-00601L MAJOR ROHTASH SINGH, THE ARMOURED CORPS / 53RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
20. IC-72362X CAPTAIN VIKAS PANGHAL, THE ARMOURED CORPS / 1ST BATTALION THE ASSAM RIFLES
21. IC-76281P CAPTAIN RAJESH SHARMA, CORPS OF ELECTRONICS AND MECHANICAL ENGINEERS / 3RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
22. IC-76882A CAPTAIN SUSHANT SHARMA, CORPS OF SIGNALS / 55TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
23. IC-78616A CAPTAIN LAKHVIR SINGH, 3RD BATTALION THE RAJPUT REGIMENT
24. SS-47213Y CAPTAIN DIVAKAR KONGBRAILATPAM, 1ST BATTALION THE MAHAR REGIMENT
25. SS-46682P LIEUTENANT SATISH KUMAR MISHRA, REGIMENT OF ARTILLERY/ 159 FIELD REGIMENT
26. JC-65809F NAIB SUBEDAR SURAJ TAMANG, 44TH BATTALION THE ASSAM RIFLES (POSTHUMOUS)
27. JC-413976W NAIB SUBEDAR MORE SAYAJI UTTAM, 12TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
28. JC-522085K NAIB SUBEDAR RAM SINGH, 6TH BATTALION THE DOGRA REGIMENT (POSTHUMOUS)
29. JC-603091X NAIB SUBEDAR ASHOK KUMAR GURUNG, FIRST GORKHA RIFLES / 15TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
30. JC-603121K NAIB SUBEDAR CHHATRA BAHADUR PHAKAMI, THIRD BATTALION THE FIRST GORKHA RIFLES
31. 2600705W HAVILDAR ELUMALAI M, 19TH BATTALION THE MADRAS REGIMENT (POSTHUMOUS)
32. 4475283A HAVILDAR GURMUKH SINGH, 7TH BATTALION THE SIKH LIGHT INFANTRY
33. 13758291H HAVILDAR YASH PAUL, 11TH BATTALION THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES
34. 13765370A HAVILDAR RANJIT SINGH,THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES / 28TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
35. 15573730H LANCE HAVILDAR DASPUTE RAMESHWAR PUNDALIK, CORPS OF ENGINEERS / 2ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
36. 3998526Y NAIK RAHIM SINGH, THE DOGRA REGIMENT / 40TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
37. 15146474F NAIK RAVI CHOUDHARY, REGIMENT OF ARTILLERY / 13TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
38. 15322690A NAIK SHANKARA SAPALYA, 9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
39. 2610836P LANCE NAIK HANAMANTHAPPA KOPPAD, 19TH BATTALION THE MADRAS REGIMENT (POSTHUMOUS)

40. 4086938N LANCE NAIK SATYENDRA SINGH,THE GARHWAL RIFLES / 36TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

41. 4482230K LANCE NAIK PARVEEN KUMAR SINGH, THE SIKH LIGHT INFANTRY / 19TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

42. 5048754F LANCE NAIK NARAYAN SHRESTHA,THIRD BATTALION THE FIRST GORKHA RIFLES

43. 13625619K LANCE NAIK GOVIND SINGH MEHTA, 9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES) (POSTHUMOUS)

44. 13766306P LANCE NAIK ASHWANI KUMAR, THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES / 3RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

45. 14495821F LANCE NAIK KULWANT SINGH, 1055 DSC PLATOON (POSTHUMOUS)

46. 2615937M SEPOY RAMA MOORTHY N, 19TH BATTALION THE MADRAS REGIMENT(POSTHUMOUS)

47. 3008862W SEPOY BRAJESH KHATANA, THE RAJPUT REGIMENT / 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

48. 3200235Y SEPOY BIJENDER KUMAR, 7TH BATTALION THE JAT REGIMENT

49. 4004812K SEPOY BALMIK KUMAR, THE DOGRA REGIMENT / 40TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

50. 4204205P SEPOY BHUPENDRA SINGH, THE KUMAON REGIMENT/13TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

51. 4093554F RIFLEMAN ASHISH SINGH NEGI, THE GARHWAL RIFLES / 36TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

52. 5049372K RIFLEMAN RAJU THAPA, THIRD BATTALION THE FIRST GORKHA RIFLES

53. 12954596Y RIFLEMAN BASHIR AHMED WAR, THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES / 15 ARMY DOG UNIT (POSTHUMOUS)

54. 13772197K RIFLEMAN ISHWAR SINGH, THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES / 3RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

55. 13773984X RIFLEMAN KRISHAN KUMAR, THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES / 28TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

56. 16021965N RIFLEMAN RAHUL SINGH, THE RAJPUTANA RIFLES/18TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

57. G/184799M RIFLEMAN CHINGSA MOG, 18TH BATTALION THE ASSAM RIFLES

58. G/5009333H RIFLEMAN PAOKHOLET BAITE, 24TH BATTALION THE ASSAM RIFLES (POSTHUMOUS)

59. G/5013096F RIFLEMAN THANGKHANLAM, 43RD BATTALION THE ASSAM RIFLES

60. 13629533H PARATROOPER SANJIT KHATRI, 21ST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

61. 2702279F GRENADIER AMAR SINGH, 16TH BATTALION THE GRENADIERS

62. 15228018H GUNNER SAHADEV MARUTI MORE, REGIMENT OF ARTILLERY / 41ST BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

63. 15504069W SOWAR AMREEK SINGH, THE ARMOURED CORPS / 53RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

A. RAI
Officer on Special Duty

No. 108 - Pres/2016—The President is pleased to approve the award of the "Nao Sena Medal/Navy Medal" to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:-

1. LT CDR VIKASH KUMAR NARWAL, 05433-Y

2. VEER SINGH, CPO CD I, 122676-K

A. RAI
Officer on Special Duty

No. 109-Pres/2016—The President is pleased to approve the award of the "Vayu Sena Medal/Air Force Medal" to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:-

1. SQUADRON LEADER ABHISHEK SINGH TANWAR, (28211) FLYING PILOT

2. SQUADRON LEADER BHAVESH KUMAR DUBEY, (29775) ADMINISTRATION / AIR TRAFFIC CONTROLLER

A. RAI
Officer on Special Duty

No. 110 –Pres/2016—The President is pleased to give orders for publication in the Gazette of India of the names of the under mentioned officers/personnel for "Mention in Despatches" received by the Raksha Mantri from the "Chief of the Army Staff":-

OPERATION MEGHDOOT

1. SS-44430K MAJ NINGTHOUJAM SUBASH SINGH, DOGRA, SIACHEN BATTLE SCHOOL
2. JC-588633W SUB SONAM TARGAIS, 3 LADAKH SCOUTS
3. 14838229A SEP B NAVEEN KUMAR, ASC, 503 ASC BN(POSTHUMOUS)
4. 5050218X RFN ANUP THAKURI, GORKHA RIF, SIACHEN BATTLE SCHOOL
5. 68355 TRAINEE TSERING DORJEE, 2 VIKAS (SFF)

OPERATION RAKSHAK

1. IC-51036F COL SUNIL KUMAR SAUL, SM, RAJPUT, 104 INF BDE
2. IC-59102N LT COL AMOL LAWATE, 202 ARMY AVN SQN
3. IC-61086A LT COL ABHIJEET SATHAYE, 32 R&O FLT
4. IC-62866X MAJ SUMIT KUMAR SINGH, 22 SIKH
5. IC-68843M MAJ PRATEEK, RAJ RIF, 9 RR
6. IC-69112L MAJ KARAN KHURANA, MECH INF, 50 RR
7. IC-70310H MAJ KARAN THAKUR, 12 ENGR REGT
8. IC-75080K CAPT ADARSH BHARTI, SIKH LI, 19 RR
9. JC-521726Y NB SUB SURINDER SINGH, DOGRA, 62 RR
10. 4569924A HAV NARENDRA KUMAR, 1 MAHAR
11. 13619726P HAV DEVENDRA SINGH, PARA, 31 RR
12. 13623108F HAV PARVEEN KUMAR, 4 PARA (SF)
13. 15137023A HAV VIJAY PAL, ARTY, 28 RR
14. 4276867N NK GOPAL PRADHAN, 15 BIHAR
15. 2499496A SEP MAJOR SINGH, PUNJAB, 53 RR

16. 3016341X SEP SURENDRA, 26 RAJPUT (POSTHUMOUS)
17. 4004976A SEP AJAY KUMAR, DOGRA, 40 RR
18. 12984799X SEP ZAHOOR AHMAD BANDAY, SIKH LI, 28 RR
19. 18006381X SPR GURPINDERJEET SINGH, ENGRS, 3 RR
20. 13767985K RFN BRIJ LAL, JAK RIF, 3 RR
21. 16020437X RFN ANIL KUMAR, RAJ RIF, 9 RR
22. B-922 ARMY DOG MANSI, RVC, 15 ARMY DOG UNIT (POSTHUMOUS)

OPERATION RHINO

1. IC-65749X MAJ RAJESH KUMAR NAYAK, 8 JAT

A. RAI
Officer on Special Duty

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 22nd September 2016

No. U-13019/1/2015-ANL—In supersession of all earlier notifications on the subject, the President is pleased to re-constitute the Advisory Committee associated with the Minister of Home Affairs for the Union Territory of Lakshadweep.

2. The Advisory Committee shall consist of the following Members :—

(a) Administrator, Lakshadweep

(b) Member of Parliament, Lok Sabha representing the Union Territory.

(c) Representatives from District Panchayat, Lakshadweep.

(i) President, District Panchayat.

(ii) Leader of opposition.

(d) Nominated Members of Standing Repute, representing civil society etc.

(i) Smt. M. C. Fameena, Pappadam House, Kavaratti Island, Lakshadweep-682555

(ii) Shri K. P. Muthukoya, Firdouse, Opposite Post Office, Kavaratti. Lakshadweep-682555

(iii) Shri P. Jafar Shah, Kotham, Kavaratti, Lakshadweep-682555

(iv) Dr. M. Koyamma Koya, Maplat, Androth Island, PO, Kavaratti, Lakshadweep-682551

(v) Shri M. P. Sayed Mohammed Koya, Asna House, MG Road, Kavaratti. Lakshadweep-682555

(e) Joint Secretary (UT) as Member Secretary.

3. The Advisory Committee shall be consulted in regard to following matters :—

(a) General questions of policy relating to the administration of the territory in the State field.

(b) All legislative proposals concerning the territory in regard to matters in the State list.

(c) Such matters relating to the annual financial statement of the Union in so far as it concerns the territory and such other financial questions as be referred to it by the President.

(d) All developmental issues concerning the Union Territory.

(e) Internal security related issues.

(f) Any other matter on which it may be considered necessary or desirable by the Minister of Home Affairs that the Advisory Committee should be consulted.

4. The terms of nominated members would be for a period of two years. The Committee shall meet once in a year or as per convenience of the Chair/HM. The office of the member of the Advisory Committee shall be honorary and shall not carry any salary or remuneration.

M. V. VIJAYAN
Dy. Secy.

No. U-13019/2/2013-ANL—In supersession of all the earlier notifications on the subject, the President is pleased to re-constitute the Advisory Committee associated with the Minister of Home Affairs for the Union Territory of Andaman & Nicobar Islands.

2. The Advisory Committee shall consist of the following members :—

(a) Lt. Governor, Andaman & Nocobar Islands.

(b) Chief Secretary, Andaman & Nicobar Administration.

(c) Member of the Lok Sabha representing the Union Territory.

(d) Representatives from Port Blair Municipal Council (PBMC).

(i) Chairperson of the PBMC.

(ii) Leader of opposition.

(e) Representatives from both the Zilla Parishads.

(i) Chairperson of the Zilla Parishads.

(ii) Leader of opposition of Zilla Parishads

(f) Nominated Members representing various interest groups :—

(i) Shri Harinarayan Arora, C/O Bharat General Store, Aberdeen Bazaar, Port Blair, Andaman and Nicobar Islands.

(ii) Shri Vishal Jolly, C/O Vishall Niwas, Village & Post : Bambooflat, South Andaman, Andaman and Nicobar Islands.

(iii) Dr. Rohinder Lall, Rohin's Eye Hospital, All India Radio Road, Ward No. 7, Post : Haddo, Port Blair, Andaman and Nicobar Islands.

(iv) Shri Ajay Bairagi, village; R. K. Grampian, post-Diglipur, North Andaman, Andaman and Nicobar Islands.

(v) Smt. Durgawati, House No. 150, Mahatama Gandhi Road, Junglighat, Andaman & Nicobar Islands.

(g) Joint Secretary (UT) as Member Secretary.

3. The Advisory Committee shall be consulted in regard to following matters :—

(a) General questions of policy relating to the administration of the territory in the State field.

(b) All legislative proposals concerning the territory in regard to matters in the State list.

(c) Such matters relating to the annual financial statement of the Union in so far as it concerns the territory and such other financial questions as be referred to it by the President.

(d) All developmental issues concerning the Union Territory.

(e) Internal security related issues.

(f) Any other matter on which it may be considered necessary or desirable by the Minister of Home Affairs that the Advisory Committee should be consulted.

The term of nominated members would be for a period of two years. the Committee shall meet once in a year or as per convenience of the Chair/HM. The office of the member of the Advisory committee shall be honorary and shall not carry any salary or remuneration.

M. V. VIJAYAN
Dy. Secy.

मुद्रण निदेशालय द्वारा, भारत सरकार मुद्रणालय, एन.आई.टी. फरीदाबाद में अपलोड एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा ई-प्रकाशित, 2016

UPLOADED BY DIRECTORATE OF PRINTING AT GOVERNMENT OF INDIA PRESS, N.I.T. FARIDABAD AND E-PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 2016

www.dop.nic.in